दि. 17/11/03

माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
मंत्री, भारत सरकार,
नई दिल्ली ।

विषय : पल्स पोलियो अभियान की सफलता हेतु सुझाव

महोदय,

सादर निवेदन है कि विगत एक दशक से देश में पल्स पोलियो अभियान चलाया जा रहा है किन्तु पोलियो पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है क्योंकि बंगलादेशी शरणार्थियों, बिहार, उत्तरप्रदेश तथा राजस्थान के श्रमिक परिवारों के बच्चों को परिजनों द्वारा पोलियो ड्रॉप्स से वंचित रखा जा रहा है । इसी कारण पोलियो वायरस फैलता रहता है । पल्स पोलियो अभियान की सफलता के क्रम में मेरे सुझाव हैं कि-

§1§ पोलियो दवा पिलाते ही बच्चों की अंगुली पर अमिट स्याही से निशान लगा देना चाहिए तथा परिजनों के राशनकार्ड में इसकी प्रविष्टि करनी चाहिए ।

§2§ अभियान के अगले दिन घर-घर जाकर इसकी जाँच की जानी चाहिए । दोषी माता-पिता के लिए दण्ड का प्रावधान भी किया जा सकता है ।

§3§ सन् 1975-77 के दिनों में चेचक की समाप्ति के लिए देश भर में "चेचक बताओ- 1000 रु. ईनाम पाओ" की योजना संचालित हुई थी । ईनाम के लिए लोगों ने संक्रमित लोगों की सूचना सरकार को देकर निर्णायक भूमिका निभाई थी । ऐसी ही योजना पोलियो के क्रम में भी चलाई जा सकती है ।

विशुद्ध लोकतांत्रिक पद्धतियों से इस देश से पोलियो अगले एक दशक में भी दूर नहीं होगा । कृपया कुछ कठोर कदम भी उठाने का कष्ट करें ।

सादर

भवदीय

§डॉ. सुरेन्द्र कटारिया§
73/54 ए, मानसरोवर, जयपुर-20
§राज.§

HT- JPR 01/04/04

Indelible mark for kids getting polio drop

for 4th April 04

FOR THE first time in the State the immunised children will be marked on the left little finger with indelible ink during the pulse polio campaign on Sunday. Earlier the usual permanent marker that wears off easily was used, said district administration sources.

The administration has made suitable arrangements for the second round of the pulse polio campaign on Sunday. About 3,254 booths have been set up in the Jaipur region, of which 2,251 will be placed in the rural areas. The list of booths also includes 10 mobile and 11 transit booths. About 530 supervisors have been deputed.

HTC

Scanned with OKEN Scanner